

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 679 का उत्तर

हैड-ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली

679. श्री गजानन कीर्तिकर:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारतीय रेल ने प्रौद्योगिकी में सुधार और विद्युत यांत्रिकी, विद्युत आपूर्ति प्रणाली, और नियंत्रण प्रणाली में हुए/लगातार हो रहे नवीकरण की सहायता से रेल डिब्बों हेतु एक ऊर्जा-दक्ष विद्युत आपूर्ति प्रणाली (हैड-ऑन जनरेशन-एचओजी) अपनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) एचओजी प्रणाली की मुख्य विशेषताएं क्या हैं और देश में रेलवे द्वारा एचओजी के तहत वर्तमान में चलाई जा रही रेलगाड़ियों की कुल संख्या कितनी है;
- (ग) क्या एचओजी प्रणाली अपनाने से रेलवे को डीजल पर आने वाली लागत बचाने में मदद मिलेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या भारतीय रेल निकट भविष्य में ग्यारह जोड़ी अन्य रेलगाड़ियों को एचओजी संचालित गाड़ियों में परिवर्तन करने की योजना बना रही है, जिसमें दो शताब्दी एक्सप्रेस, दो दुरन्तो एक्सप्रेस और दो मेल एक्सप्रेस गाड़ियां शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे रेलवे को कितना अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा; और
- (ङ) क्या रेलवे कई प्रीमियम और मेल एक्सप्रेस गाड़ियों में रेल डिब्बों हेतु ऊर्जा दक्ष विद्युत आपूर्ति प्रणाली एचओजी अपनाकर लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) प्रणाली वाले वातानुकूलित कोच लगाने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस मामले में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

हैड-ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली के संबंध में दिनांक 20.11.2019 को लोक सभा में श्री गजानन कीर्तिकर, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक, श्री सुधीर गुप्ता, श्री बिद्युत बरन महतो और श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे के अतारांकित प्रश्न संख्या 679 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख) जी हां। भारतीय रेल ने सवारी डिब्बों के लिए हैड ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली नामक ऊर्जा कुशल विद्युत आपूर्ति प्रणाली को अंगीकार किया है जिसमें सवारी डिब्बों में वातानुकूलन, प्रकाश व्यवस्था, पंखे आदि के लिए बिजली इंजन (डब्ल्यूएपी-7/डब्ल्यूएपी-5) में उपलब्ध कन्वर्टर्स के माध्यम से शिरोपरि उपस्कर (ओएचई) से बिजली आपूर्ति की जाती है। यह प्रणाली एंड ऑन जनरेशन गाड़ियों में प्रदान की जा रही है, जहां डीजी सेट से लैस पावर कारों को दोनों छोर पर उपलब्ध कराया जाता है। यह प्रणाली सवारी डिब्बों के लिए लागत प्रभावी, विश्वसनीय और ऊर्जा कुशल आपूर्ति प्रणाली प्रदान करने के लिए है। इससे पावर कारों में डीजल ऑल्टरनेटर सेट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है जो ध्वनि और वायु प्रदूषण पैदा करते हैं।

(ग) से (ड) जी हां। लिनके हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बों में एचओजी प्रणाली शुरू होने से पावर कारों के डीजल ईंधन की खपत में भारी बचत हुई है। अब तक, 500 गाड़ियों को एचओजी प्रणाली में रूपांतरित कर दिया गया है जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष लगभग 1182.22 करोड़ रु. की बचत हुई है। 2019-20 के दौरान, शेष (200 गाड़ियों) एंड ऑन जनरेशन (ईओजी) एलएचबी रेकों को एचओजी प्रणाली में रूपांतरित करने की योजना है। ऐसी गाड़ियों के रूपांतरण से, भारतीय रेल को प्रतिवर्ष लगभग 470 करोड़ रु. की बचत होने की संभावना है।

\*\*\*\*\*